न्यूज डायरी

तुर्की ने पाकिस्तानी नौसेना के लिए चौथे युद्धपोत का निर्माण शुरू किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। तुर्की ने पाकिस्तानी नौसेना के लिए मिल्गम प्रोजक्ट के तहत चौथे युद्धपोत के निर्माण कार्य को शुरू कर दिया है। युद्धपोत निर्माण की नींव रखने के समारोह का आयोजन पाकिस्तानी नौसेना के सबसे बड़े अड्डे कराची में किया गया। इस समारोह में पाकिस्तानी नौसेना के चीफ एडमिरल अमजद खान नियाजी भी शामिल हुए। इस युद्धपोत का निर्माण कराची शिपयार्ड एंड इंजीनियरिंग वर्क्स (केएसईडब्ल्यू) और तुर्की की सरकारी रक्षा कंपनी एएसएफएटी मिलकर कर रहे हैं। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए एडमिरल नियाजी ने कहा कि तुर्की की मदद से स्वदेशी आधुनिक युद्धपोतों का निर्माण पाकिस्तान के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह ज्वाइंट वेंचर डिफेंस प्रॉडक्शन के क्षेत्र में अंकारा और इस्लामाबाद के बीच सहयोग के नए रास्ते खोलेगा।

2500 साल पहले पानी में डूबा था बर्तनों से भरा जहाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) एथेंस। ग्रीक द्वीप काइथिरा के पास एजियन सागर में एक प्राचीन जहाज के मलबे के अवशेष मिले हैं। कहा जा रहा है कि ये अवशेष चौथी से लेकर पांचवी शताब्दी ईसा पूर्व के मध्य के हैं। ग्रीक पावर ट्रांसमिशन कंपनी इंडिपेंडेंट पावर ट्रांसमिशन ऑपरेटर एसए ने एक समुद्री सर्वेक्षण के दौरान इस मलबे की खोज की है। यह सर्वे क्रेते–पेलोपोनिस सबसी इंटरकनेक्शन की सीफ्लोर मैपिंग के लिए किया रहा था, जो पानी के अंदर सबसे बड़ी एसी पावर केबल है। एफोरेट ऑफ अंडरवाटर एंटिक्विटीज और हेलेनिक सेंटर फॉर मरीन रिसर्च के शोधकर्ताओं के अनुसार जहाज का मलबा समुद्र के भीतर 222 मीटर की गहराई में पाया गया। खोजकर्ताओं को डूबे हुए जहाज के कार्गो डेक पर एम्फोरस, प्राचीन ग्रीक या रोमन जग, का एक ढेर मिला है जिन पर दो हैंडल लगे हुए हैं। रिसर्चर्स का मानना है कि एम्फोरस का संबंध ग्रीस के पड़ोसी द्वीपों से है जो कि प्राचीनकाल में एजियन और आयोनियन सागर में व्यावसायिक गतिविधि चल रही थी।

अमेरिका और भारत से निपटने की ड्रैगन की बड़ी तैयारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में जो भी कहा गया है वह भारत और अमेरिका के लिए काफी गंभीर है। दोनों देशों के लिए यह चिंता का सबब बन सकता है। इस रिपोर्ट में ड्रैगन ने अमेरिका को भारत–चीन सीमा मामले में दखल नहीं देने की सख्त चेतावनी दी है। इसके साथ पेंटागन की इस रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है कि 2030 तक चीन के पास 1,000 परमाणु हथियार होंगे। इसमें कहा गया है कि एलएसी पर ड्रैगन ने फाइबर आप्टिक नेटवर्क बिछाया है। आइए जानते हैं पेंटागन की इस रिपोर्ट के बारे में। आखिर इस रिपोर्ट में ऐसा क्य्या है जो भारत और अमेरिका दोनों के लिए चिंता का सबब है। पेंटागन की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपना दावा मजबूत करने के मकसद से आक्रामक तेवर दिखा रहा है।

हांगकांग में चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का कोड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हांगकांग। हांगकांग की एक अदालत ने चीन द्वारा हाल में लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत 20 साल के एक आंदोलनकारी छात्र को अलगाववादी मंशा रखने के आरोप में दोषी ठहराया है। रेडियो फ्री एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अभियोजकों ने जिला अदालत को बताया कि टोनी चुंग ने सोशल मीडिया पर देशद्रोही संदेश पोस्ट किए और 2020 में अलगाववादी मंशा के साथ विरोध प्रदर्शन जैसी गतिविधियां भी आयोजित कीं। सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के बाद भी उसने फेसबुक पर स्वतंत्रता समर्थक एक समूह के पेज पर पोस्ट प्रकाशित करना जारी रखा। वहीं, चुंग ने अपने बचाव में दावा किया कि कानून लागू होने के बाद फेसबुक पेज पर सभी गतिविधियां रोक दी गईं थीं।

राहत का लॉलीपॉप दे रहे इमरान, लामबंद हुआ विपक्ष

महंगाई

महंगाई से त्रस्त जनता को 30 फीसदी की राहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जनता महंगाई से जूझ रही है। खाने–पीने वाली सामान्य चीजों के दाम इतिहास में सबसे ज्यादा हो चुके हैं। शुक्रवार को पेट्रोल की कीमतों में 8.14 रुपए का बड़ा उछाल आया जिसके बाद पाकिस्तान में पेट्रोल के दाम 145.82 रुपए हो गए। इसी बीच पीएमएल–एन के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई पर चर्चा करने के लिए पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो–जरदारी को फोन किया। टेलीफोन पर बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने संसद में महंगाई के खिलाफ विपक्ष की संयुक्त रणनीति पर चर्चा की।

शहबाज शरीफ ने बिलावल से कहा कि उनकी पार्टी महंगाई के खिलाफ पीपीपी से हाथ मिलाने को तैयार हैं। बिलावल ने कहा कि पीएम इमरान खान ने राहत का लॉलीपॉप देकर लोगों को आहत किया है। उन्होंने कहा कि चुनी हुई सरकार का हर बीतता दिन लोगों की परेशानी को बढ़ाता जा रहा है। पीपीपी नेता ने कहा कि तीन साल में घी के दाम 110 फीसदी बढ़ाने वालों ने महज आवाम को सिर्फ 30 फीसदी की राहत दी है।

उन्होंने कहा कि तीन साल में बिजली की कीमतों में 60 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है और आज इमरान खान 30 फीसदी राहत पैकेज की घोषणा कर रहे हैं। चीनी की कीमत तीन साल में 80 फीसदी बढ़ी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान महंगाई को लेकर अवाम को बरगलाने में जुट गए हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत में पेट्रोल की कीमतों को लेकर हंगामा मचा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतें इस इलाके में सबसे सस्ती हैं।

इमरान खान समझा रहे महंगाई का गणितः उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने तेल के आयात पर टैक्स और दूसरे शुल्कों को काफी कम रखा है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को गर्त में ले जाने वाले इमरान खान ने अवाम को महंगाई का गणित भी समझाया। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान पेट्रोल और डीजल की कीमते काफी कम हो गई थीं। अब पिछले एक महीने में इसमें तीन गुना से ज्यादा का इजाफा हो चुका है। जब तेल महंगा हो जाता है तो सब कुछ महंगा हो जाता है।

अब भारत से यूएई जाना और भी महंगा, दोगुना हुआ किराया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अबू धाबी। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच हवाई सेवाओं की शुरुआत होने के बाद इस मार्ग पर भीड़ का अंदाजा सभी को था। माना जा रहा था कि टिकट की कीमतें महंगी होने के कुछ हफ्तों बाद सामान्य हो जाएंगी लेकिन ऐसा होता दिख नहीं रहा है। अगस्त में यूएई से भारत का औसतन किराया लगभग की450 था जो हाल के हफ्तों में दोगुने से भी ज्यादा हो चुका है।

कोरोना वायरस की तीसरी लहर के डर से भारत ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल फ्लाइट्स को पूरी तरह से शुरू नहीं किया है, जिसकी वजह से कीमतें आसमानों को छू रही हैं। दिवाली पर यूएई से भारत का किराया करीब की5,000 था।

यूरेनस ट्रेवल्स के जॉन गॉलर का कहना है कि हाल के आईपीएल मैचों और मौजूदा टी20 क्रिकेट विश्व कप ने भी टिकटों की कीमतों को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि पीक सीजन की यात्रा के कारण हवाई किराए में और बढ़ोत्तरी होगी।

इस महीने यूएई से भारत की यात्रा करने वालों को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसका कारण 2019 की तुलना में उड़ानों की कम संख्या भी है। टिकट को दामों में बढ़ोत्तरी ने बजट एयरलाइंस को भी महंगा कर दिया है।

पाकिस्तान ने आतंकवादी संगठन TTP के आगे घुटने टेक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने खूंखार आतंकी संगठन तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सामने घुटने टेक दिए हैं। पाकिस्तान की इमरान खान सरकार टीटीपी के साथ शांति समझौता करने जा रही है। इस समझौते में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार में गृह मंत्री और हक्कानी नेटवर्क के सरगना सिराजुद्दीन हक्कानी ने बड़ी भूमिका निभाई है। सिराजुद्दीन हक्कानी को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का पालतू भी कहा जाता है। वैश्विक आतंकवादी सिराजुद्दीन हक्कानी का पाकिस्तान के साथ नजदीकी संबंध है। उसके ऊपर अमेरिका ने कई मिलियन डॉलर का इनाम घोषित कर रखा है।

अपने राष्ट्रीय पशु के शिकार का परमिट बांट रहा पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान भयंकर आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। कभी पाकिस्तानी पीएम अरब देशों के आगे हाथ फैलाए नजर आते हैं तो कभी अधिकारी पैसों के बदले बेजुबान जानवरों की जिंदगी का सौदा करते हैं। शुक्रवार को वन्यजीव विभाग ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा खेल रिजर्व में पाकिस्तान के राष्ट्रीय पशु चित्राल के मार्कहोर के टॉफी शिकार के लिए 160,250 डॉलर में एक परमिट नीलाम हुई। वन्यजीव विभाग की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि यह जानवर के टॉफी शिकार के लिए अब तक की सबसे ऊंची बोली

सिर्फ बूढ़े जानवरों को बनाया जाता है निशाना

है। बयान में कहा गया है कि साल 2021–2022 के लिए चार परमिट बेचे गए हैं। जिससे पाकिस्तान को कुल 575,500 डॉलर मिलेंगे। दूसरे नंबर पर रही बोली की रकम 155,100 डॉलर थी। वहीं तीसरे स्थान पर परमिट 135,150 डॉलर और चौथे स्थान पर 125,100 डॉलर में बेचा गया। द न्यूज की एक रिपोर्ट में कहा गया कि गिलगित–बाल्टिस्तान, चित्राल और कोहिस्तान समेत कई जिलों में शिकार के लिए हर साल परमिट जारी किए जाते हैं।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रॉफी शिकार मार्कहोर की आबादी में बढ़ोत्तरी हुई है। 2001 में 1500–2000 की तुलना मं अब देश में मार्कहोर की आबादी बढ़कर 3500–4000 हो गई है। टॉफी शिकार कार्यक्रम के तहत स्थानीय समुदायों को लाइसेंस शुल्क का 80 फीसदी प्राप्त होता है। जबकि बाकी राशि सरकार अपने आप रखती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्राफी शिकार में केवल बूढ़े नर मार्कहोर को ही गोली मारी जाती है। जिनकी पहचान उनके सींग, चाल और शरीर की संरचना से होती है।

यही इमरान खान विपक्ष में रहने के दौरान अरब के शाही परिवारों को इन बेजुबान पक्षियों के शिकार की अनुमति दिए जाने का विरोध करते रहे हैं।

फाइजर ने बनाई कोरोना वायरस की दवाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। कोरोना से बचाव के लिए अभी तक वैक्सीन ही डॉक्टरों का मुख्य हथियार साबित हो रही है। लेकिन आने वाले समय में कोरोना वायरस की दवाई भी इस जंग में अहम भूमिका निभा सकती है। शुक्रवार को फाइजर कंपनी ने कहा कि उसकी एक्सपेरिमेंटल एंटीवायरल दवा वयस्कों में कोविड–19 के कारण अस्पताल में भर्ती होने और मौत के जोखिम को 89 फीसदी तक कम कर सकती है। अमेरिका में कोरोना की दवा फिलहाल इंजेक्शन के माध्यम से दी जाती है लेकिन फाइजर की दवा इस्तेमाल में आसान है। इससे पहले फाइजर की प्रतिस्पर्धी कंपनी मर्क ने कोविड–19 की दवा के निर्माण का दावा किया था। ब्रिटेन मर्क की दवा को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी भी दे चुका है। मर्क की दवा दुनिया में कोरोना वायरस की पहली गोली है। फाइजर का दावा है कि उसकी गोली मर्क की तुलना में ज्यादा प्रभावी है। कंपनी जल्द ही अपने अंतिम परीक्षण के नतीजे भी जारी कर सकती है। इन दावों ने रातों–रात फाइजर के शेयर के दाम बढ़ा दिए हैं।